प्राक्कल्पना / उपकल्पना
Hypothesis

⇒ लुण्डबर्ग → एक प्राक्कल्पना एक कामचलाऊ सामान्यीकरण है, जिसकी सत्यता की परीक्षा अभी बाकी है।

⇒ गुडे एवं हाट → प्राक्कल्पना एक ऐसी मान्यता होती है जिसकी सत्यता सिद्ध करने के लिए उसका परीक्षण किया जा सकता है।

⇒ पी. वी. यंग → एक कार्यवाहक विचार जो उपयोगी खोज का आधार बनता है, कार्यवाहक प्राक्कल्पना माना जाता है।

⇒ बोगार्डस → एक प्राक्कल्पना एक प्रस्थापना है जिसका परीक्षण किया जाना है।

⇒ पीटर एच. मन्न → प्राक्कल्पना एक कामचलाऊ अनुमान है।

प्राक्कल्पना एक ऐसा पूर्व विचार, निष्कर्ष, कथन, सामान्यीकरण, अमूर्तीकरण, अनुमान या प्रस्थापना है जिसे अनुसन्धानकर्ता अपनी शोध की समस्या हेतु निर्मित करता है और उसकी सत्यता की जाँच करने के लिए आवश्यक सूचनाओं का संकलन करता है।

⇒ विशेषता → ① स्पष्टता (clarity) → (i) निहित अवधारणाओं का स्पष्ट
(ii) भाषा का स्पष्ट

② अनुभवाश्रित सन्दर्भ – आदर्शात्मक नहीं, बल्कि वास्तविकता

③ विशिष्टता → अध्ययन विषय के किसी विशेष पहलू से सम्बन्धित हो

④ उपलब्ध - प्रविधियों से सम्बद्ध –

⑤ सिद्धान्त - समूह से सम्बन्धित

⑥ सरलता → अनावश्यक [illegible] से अधिक कारकों को स्थान नहीं दिया जाए।

⇒ प्राक्कल्पना के स्रोत (Sources) → ① सामान्य संस्कृति → अपनी संस्कृति के अनुसार जैसे - अमेरिका व भारत
~~②~~ सामान्य संस्कृति के अन्तर्गत तीन बाते प्रमुख हैं - (A) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि → जैसे अमेरिका में व्यक्तिवादिता पर जोर तथा भारत में आध्यात्मवाद, धर्म संयुक्त परिवार पर जोर।

(B) लोक विश्वास (Folk Beliefs) → कुछ सामान्य मान्यता व विश्वास जो मुहावरो, कहावतो, दोहो आदि द्वारा व्यक्त होते हैं जिन्हे सहज स्वीकारा जाता है जिनपर अनुसंधानकर्ता परिकल्पना बना

(C) सामाजिक परिवर्तन → परिवर्तन स्वाभाविक - भारत में औद्योगिकरण बढ़ने से संयुक्त परिवार में टूटन, प्रजाति प्रथा का विघटन

② वैज्ञानिक सिद्धान्त (Scientific theories) → जो पहले से सिद्धान्त है वे आधार का काम करते हैं जैसे जाति प्रथा में पेशा जाति उत्पत्ति का कारण था - उपकल्पना - फिर परीक्षण

③ सादृश्यताएं (Analogies) → परिस्थिति - विशेष से प्रभावित कई बार समरूपताएं भी प्राक्कल्पनाओ को जन्म देती हैं। हरबर्ट स्पेन्सर ने सौर सावयव की कल्पना जीवों की शरीर रचना से ही ग्रहण की थी।

④ व्यक्तिगत अनुभव (Personal experiences) → लोम्ब्रोसो ने अपराधी जन्मजात होते हैं। इस प्राक्कल्पना को सैनिकों के अध्ययन से सम्बन्धित अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर ही ग्रहण किया था। न्यूटन की पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति की परिप्राक्कल्पना, डार्विन के अस्तित्व के लिए संघर्ष

⑤ अन्तः प्रज्ञा (Intuition) → अन्तर्दृष्टि - (मेरा मन ऐसा कहता है) (भविष्यवाणी)

(6) अनुसन्धान एवं साहित्य →

⇒ प्राक्कल्पना का महत्व :→

(i) प्राक्कल्पना अध्ययन कार्य को निश्चितता प्रदान करता है।
(ii) ,, अनुसन्धान को सीमित करती है।
(iii) ,, अनुसन्धान की दिशा निर्धारित करती है।
(iv) ,, सम्बद्ध तथ्यों के संकलन में सहायक होती है।
(v) ,, प्रत्येक दशा में सत्य निकालने के कार्य में सहायक सिद्ध होती है।
(vi) ,, अध्ययन के उद्देश्य का निर्धारण करती है।
(vii) सिद्धान्तों के निर्माण में सहायक

⇒ डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने प्राक्कल्पना के निम्न कार्यों (महत्व) का उल्लेख किया है :-

(i) अनुसन्धान से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्नों को स्पष्ट करना
(ii) अनुसन्धान को उत्तेजना प्रदान करना
(iii) अनुसन्धान की विश्वसनीय व्यवस्था का आधार प्रदान करते हुए निर्देशित करना
(iv) प्रयोगात्मक प्रविधियों के मूल्यांकन की कसौटियां प्रदान करना
(v) सिद्धान्त के निर्माण के लिए कार्यकारी उपकरण के रूप में कार्य करना
(vi) निगमन पद्धति का प्रयोग करते हुए निष्कर्ष निकालने में सहायता पहुंचाना।